ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४५
दिनांक- मंगलवार, १३ जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 38.8 एवं 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 79 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 46 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.7 एवं दोपहर में 44.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14–18 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल बादल छाये रह सकते हैं। 12 जून को मानसून बिहार के उत्तर पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर चूका है तथा अगले 2–3 दिनों में उत्तर बिहार के सभी जिलों में सक्रिय हो सकता है। हलाकि अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है इसके बावजूद भी हीट बेव की स्थिति अगले 2–3 दिनों तक बनी रह सकती है ।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36–40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम आदि किस्में 10 जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दषांष हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले 1.5 ग्राम बविस्टीन प्रति कि0 ग्रा0 बीज की दर से उपचारित करें।
- मध्यम अवधि के धान के किस्मो को बीजस्थली में गिराने का काम करे। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- खरीफ मक्का की अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 की बुआई करें। बीज दर 20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पिछात गरमा मक्का में कीट–व्याधि की निगरानी करें।
- हल्दी की राजेन्द्र सोनिया,राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में की बुआई करें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) में गिराने का प्रयास करें। छोटी–छोटी उथली क्यारियों जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को पंक्तियों में गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- जो किसान भाई अब तक ओल, हल्दी एवं अदरक की की रोपाई नही किये हैं, वे अतिशीघ्र रोपाई करें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे– भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। इस मौसम में मिर्च की खेत में विषाणु रोग (पत्तियों का टेढ़ा–मेढ़ा होना) का प्रकोप अधिक देखने को मिलता है, इसके बचाव हेतु ग्रसित पौधे को उखाड़ कर जमीन में गाड़ दे तथा इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें । इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें। पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें। दूधारु पशुओं के खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें तथा नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम भी खिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 37.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)